विषय सूची

वैदिक सनातन धर्म (शंका समाधान) eBook

Pages- 450

1. वैदिक सनातन धर्म के मूल सिद्धांत
2. मनुष्य जन्म का उद्देश्य: वेदों के अनुसार
3. पंच क्लेश: पांच प्रकार के मिथ्या ज्ञान
4. धर्म क्या है?
5. स्वधर्म और आपद्धर्म
6. छ: प्रकार की वास्तविक संपत्ति
7. मनुष्य जन्म की सफलता का मापदंड
8. अध्यात्म क्या है?
9. अभ्यास और वैराग्य
10. ज्ञान, कर्म एवं उपासना योग
11. कर्म एवं कर्म फल सिद्धांत
12. कर्म के अनुसार पुनर्जन्म
13. वेदों में परमात्मा का स्वरूप
14. आत्मा का स्वरूप
15. मोक्ष क्या है?
16. मोक्ष प्राप्ति के साधन : अष्टांग योग
17. वैदिक आश्रम व्यवस्था: जीवन के चार चरण
18. ब्रह्मचर्य
19. गृहस्थ आश्रम एवं मोक्ष
20. वैदिक सोलह संस्कार
21. रामायण की नैतिक शिक्षाएं एवं उनका व्यावहारिक अनुप्रयोग
22. महाभारत की नैतिक शिक्षाएं एवं व्यवहारिक अनुप्रयोग
23. भगवत गीता की नैतिक शिक्षाएं एवं उनका व्यावहारिक अनुप्रयोग
24. मनुस्मृति एवं उसका वैश्विक प्रभाव
25. वैदिक सभ्यता
26. वेदांग क्या है?
27. फलित ज्योतिष और वेदांग ज्योतिष: तुलनात्मक अध्ययन
28. वैदिक साहित्य परिचय
29. वेद क्या हैं?
30. वेदों में विज्ञान

www.vedikgurukul.in

31. वेद और पुराण: तुलनात्मक विश्लेषण
32. त्रिगुणात्मक प्रकृति
33. इंद्रियां,मन और अंतःकरण
34. स्वप्न अवस्था
35. वर्ण व्यवस्था
36. जाति और जातिवाद
37. यज्ञ/अग्निहोत्र का महत्व
38. पंच महायज्ञ
39. तैंतीस कोटि देव
40. माँसाहार: एक वैदिक दृष्टिकोण
41. अष्ट प्रमाण
42. आर्य कौन है?
43. विवाह: उचित या अनुचित
44. वैदिक धन उपार्जन सिद्धांत
45. भारत विश्व गुरु
46. वैदिक ऋषि और उनके आविष्कार
47. आयुर्वेद
48. नमस्ते: एक आदर्श अभिवादन
49. सृष्टि उत्पत्ति
50. वैदिक यज्ञ: अश्वमेध, नरमेध, अजमेध, गोमेध
51. दान का वास्तविक अर्थ
52. शरीर एवं आत्मा की विभिन्न अवस्थाएं
53. भारतीय दर्शन
54. अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, द्वैतवाद, और शुद्धाद्वैतवाद
55. वेदों में नारी का स्थान
56. वेदों में जादू-टोने की भ्रांति
57. मूर्तिपूजा एवं अवतारवाद
58. अष्ट चक्र
59. ईश्वरीय ग्रंथ की पहचान
60. ब्रह्म मुहूर्त
61. वैदिक नित्य दिनचर्या
62. नित्य वैदिक प्रार्थना मंत्र
63. महत्वपूर्ण वैदिक मंत्र अर्थ सहित
64. संस्कृत भाषा
65. अष्ट सिद्धियाँ

www.vaidikgurukul.in

66. साम, दाम, दंड, भेद: चार प्रकार के बल
67. भारत में गुरुकुल परंपरा होते हुए गुलामी कैसे संभव हुई
68. भारत का उन्नत ज्ञान-विज्ञान अन्य देशों तक कैसे फैला
69. उपवास का अर्थ
70. काल और समय
71. शास्त्र में हुए मिलावट को कैसे पहचाने
72. वैदिक पर्व
73. वैदिक विज्ञान Vs आधुनिक विज्ञान
74. **शंका समाधान प्रश्नोत्तरी**

प्रश्न. 1 - क्या ईश्वर है? यदि है तो दिखाई क्यों नहीं देता है?
प्रश्न. 2 - क्या ईश्वर अवतार लेते हैं?
प्रश्न. 3 - यदि ईश्वर अवतार नहीं लेते तो श्री राम, श्री कृष्ण कौन है?
प्रश्न. 4 - ब्रह्मा, विष्णु और शिव कौन है ?
प्रश्न. 5 - इंद्र कौन है ?
प्रश्न. 6 - मंदिर शब्द का अर्थ, मंदिर जाना उचित या अनुचित है ?
प्रश्न. 7 - परमात्मा का सर्वश्रेष्ठ नाम क्या है ?
प्रश्न. 8 - क्या रामायण और महाभारत काल्पनिक हैं?
प्रश्न. 9 - श्री कृष्ण कौन है ?
प्रश्न. 10 - श्री राम कौन है ?
प्रश्न. 11 - क्या हनुमान जी बंदर थे ?
प्रश्न. 12 - शिव जी कौन है ?
प्रश्न. 13 - पितर/पितृपक्ष, श्रद्धा और तर्पण क्या है ?
प्रश्न. 14 - क्या भूत प्रेत होते हैं ?
प्रश्न. 15 - क्या मूर्ति में परमात्मा है ?
प्रश्न. 16 - क्या 84 लाख योनियाँ होती है ?
प्रश्न. 17 - स्वर्ग और नर्क क्या है ?
प्रश्न. 18 - भाग्य बड़ा है या कर्म?
प्रश्न. 19 - धर्म बड़ा है या कर्म?
प्रश्न. 20 - परमात्मा के मुख्य कार्य कौन-कौन से हैं?
प्रश्न. 21 - क्या हम परमात्मा को पूर्ण रूप से जान सकते हैं ?
प्रश्न. 22 - परमात्मा की उपासना के क्या लाभ है?
प्रश्न. 23 - परमात्मा की उपासना कैसे की जाती है?
प्रश्न. 24 - क्या गंगा में डुबकी, पूजा-पाठ, कथा, यज्ञ, हवन अथवा प्रायश्चित करने से पाप धुल जाते हैं?
प्रश्न. 25 - दु:ख क्या है यह कितने प्रकार के होते हैं?
प्रश्न. 26 - क्या गाय हमारी माता है?
प्रश्न. 27 - सप्तर्षि कौन है?
प्रश्न. 28 - क्या नाम जप, पूजा पाठ से ईश्वर की प्राप्ति संभव है?

www.vedikgurukul.in

प्रश्न. 29 - क्या वेदों में मिलावट संभव है ?
प्रश्न. 30 - क्या तीर्थ यात्रा से पाप धुलते हैं ?
प्रश्न. 31 - क्या द्रौपदी के पांच पति थे ?
प्रश्न. 32 - गुरु कौन है और किसे गुरु बनाना चाहिए ?

www.vaidikgurukul.in

विषय सूची

नैतिक शिक्षा (व्यक्तिगत विकास का आधार)

eBook Pages- 270

1.नैतिकता का अर्थ और महत्व
2.नैतिक शिक्षा के स्रोत
3.नैतिक मूल्यों का परिचय और उनका महत्व

- सत्य (Truth)
- अहिंसा (Non-violence)
- करुणा और प्रेम (Compassion and Love)
- निष्कपटता (Honesty)
- अनुशासन (Discipline)
- संयम (Self-control)
- संतोष (Contentment)
- सेवा भाव (Selfless Service)
- त्याग (Sacrifice)
- क्षमा (Forgiveness)
- विनम्रता (Humility)
- धैर्य (Patience)
- परोपकार (Charity/Helping Others)
- आत्म-नियंत्रण (Self-restraint)
- न्याय (Justice)
- सहनशीलता (Tolerance)
- दृढ़ता (Perseverance)
- कृतज्ञता (Gratitude)
- नम्रता (Politeness)
- समय-पालन (Punctuality)
- आत्म-निर्भरता (Self-reliance)
- स्वाभिमान (Self-respect)
- श्रद्धा (Faith)
- उदारता (Generosity)
- सुंदरता (Beauty)
- दान
- यज्ञ (Yagya)
- तप (Tapasya)

www.vaidikgurukul.in

- सफलता (Success)
- ब्रह्मचर्य (Celibacy)
- विवेक (Discretion)
- धर्म (Dram)
- कर्म (Karm)
- सत्संग (Satsang) और स्वाध्याय (Self-study)
- ध्यान (Meditation) और आत्म-चिंतन (Self-reflection)
- ज्ञान और विज्ञान
- वाणी (Speech)
- आचरण
- चरित्र और मर्यादा
- संकल्प

4.नैतिक मूल्यों का जीवन पर प्रभाव
5.रामायण की नैतिक शिक्षाएं

- श्री राम का सत्य और वचन पालन
- सीता की करुणा एवं दया
- लक्ष्मण की निष्ठा, मर्यादा और कर्तव्यपरायणता
- भरत का त्याग और आदर्श नेतृत्व
- कैकयी स्वार्थ और लालच का प्रतीक
- हनुमान की वीरता, भक्ति और सेवा
- विभीषण की धर्मनिष्ठा
- सुग्रीव की मित्रता और नेतृत्व
- जटायू का त्याग और वीरता
- रावण का पतन और धर्म की विजय
- श्री राम का आदर्श नेतृत्व: धर्म के लिए समर्पण
- श्री राम का करुणा और प्रेम: शबरी और जटायू के प्रति सम्मान
- श्री राम का साहस और धैर्य
- श्री राम का अनुशासन और उसका महत्व

6. महाभारत से नैतिक शिक्षाएँ

- भीष्म पितामह: त्याग और निष्ठा के अमर प्रतीक
- अर्जुन: कर्तव्य, समर्पण, और धर्म का प्रतीक
- द्रौपदी: नारी शक्ति और आत्मसम्मान की प्रतीक
- विदुर: धर्म, न्याय, और नीति का आदर्श
- दुर्योधन: अहंकार और अधर्म का प्रतीक
- धृतराष्ट्र: अंध मोह और कर्तव्य की उपेक्षा का प्रतीक
- श्री कृष्ण: धर्म, नीति के आदर्श
- कुंती: त्याग, धैर्य और मातृत्व का प्रतीक
- कर्ण: अभिमान, दानशीलता और त्रासदी का प्रतीक

www.gurukul.in

7. भगवद गीता की नैतिक शिक्षाएँ: अध्याय बार आधुनिक संदर्भ

- अध्याय 1: अर्जुन विषाद योग (आध्यात्मिक भ्रम और नैतिक संघर्ष)
- अध्याय 2: सांख्य योग (ज्ञान और कर्म का संतुलन)
- अध्याय 3: कर्म योग (कर्तव्य का महत्व)
- अध्याय 4: ज्ञान कर्म संन्यास योग (ज्ञान और कर्म का मेल)
- अध्याय 5: कर्म संन्यास योग (त्याग और कर्म का संतुलन)
- अध्याय 6: ध्यान योग (मन का अनुशासन)
- अध्याय 7: ज्ञान विज्ञान योग (परमात्मा का ज्ञान)
- अध्याय 8: अक्षर ब्रह्म योग (मृत्यु और जीवन का रहस्य)
- अध्याय 9: राजविद्या राजगुह्य योग (भक्ति का रहस्य)
- अध्याय 10: विभूति योग (ईश्वर की महिमा)
- अध्याय 11: विश्वरूप दर्शन योग (ईश्वर का दिव्य रूप)
- अध्याय 12: भक्ति योग (भक्ति का महत्व)
- अध्याय 13: क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ योग (शरीर और आत्मा का ज्ञान)
- अध्याय 14: गुणत्रय विभाग योग (तीन गुणों का ज्ञान)
- अध्याय 15: पुरुषोत्तम योग (परम पुरुष का ज्ञान)
- अध्याय 16: दैवासुर संपद विभाग योग (दैवी और आसुरी गुण)
- अध्याय 17: श्रद्धात्रय विभाग योग (श्रद्धा के प्रकार)
- अध्याय 18: मोक्ष संन्यास योग (मोक्ष का अंतिम मार्ग)
- निष्कर्ष: भगवद गीता की समग्र शिक्षा

8. एकादशोपनिषद के नैतिक शिक्षाएं

- ईशोपनिषद: ब्रह्मांड की एकता और संतुलन
- केन उपनिषद: आत्मा, ज्ञान, और भक्ति का महत्व
- कठोपनिषद: मृत्यु, आत्मा, और जीवन का रहस्य
- छांदोग्य उपनिषद: शिक्षा, ध्यान, और आत्मा का मार्ग
- बृहदारण्यक उपनिषद: आत्मा की स्वतंत्रता और ब्रह्म का ज्ञान
- मुंडक उपनिषद: सच्चे और झूठे ज्ञान का भेद
- तैत्तिरीय उपनिषद: सत्य, आनंद, और नैतिकता का मार्ग
- मांडूक्य उपनिषद: ओम और आत्मा का स्वरूप
- श्वेताश्वतर उपनिषद: ईश्वर, भक्ति, और कर्म का महत्व
- ऐतरेय उपनिषद: सृष्टि, आत्मा, और जीवन का रहस्य
- प्रश्नोपनिषद: ब्रह्मांड, प्राण, और जीवन के छह प्रश्न

9. नैतिक मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने के उपाय
10. नैतिक शिक्षा और आधुनिक युग की चुनौतियाँ
11. नैतिक शिक्षा का भविष्य और हमारी भूमिका
12. नैतिक मूल्यों की वैश्विक प्रासंगिकता
13. विद्यार्थियों के लिए नैतिक शिक्षा

www.gurukul.in

14. शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य
15. आदर्श दैनिक दिनचर्या
16. उपसंहार
17. वैदिक शास्त्रों के प्रामाणिक स्रोत

www.vaidikgurukul.in

विषय सूची

Pages- 572

वैदिक गीता (गीता का शुद्ध वैदिक स्वरूप, आधुनिक दृष्टिकोण के साथ) eBook

अध्याय 1: अर्जुन विषाद योग – मोह और धर्मसंकट
अध्याय 2: सांख्य योग – आत्मा का ज्ञान और कर्म की अनिवार्यता
अध्याय 3: कर्मयोग – निष्काम कर्म और समत्व
अध्याय 4: ज्ञान-कर्म-संन्यास योग – ज्ञान और कर्म का संतुलन
अध्याय 5: संन्यास योग – संन्यास और कर्मयोग का तुलनात्मक अध्ययन
अध्याय 6: ध्यानयोग – मन को वश में करने की कला
अध्याय 7: ज्ञान-विज्ञान योग – आध्यात्मिक एवं सांसारिक ज्ञान
अध्याय 8: अक्षर-ब्रह्म योग – मृत्यु और मोक्ष का ज्ञान
अध्याय 9: राजविद्या राजगुह्य योग – गुप्ततम ज्ञान और भक्ति
अध्याय 10: विभूति योग – श्रीकृष्ण की दिव्य विभूतियाँ
अध्याय 11: विश्वरूप दर्शन योग – ईश्वर के विराट स्वरूप का दर्शन
अध्याय 12: भक्तियोग – प्रेम और भक्ति का महत्व
अध्याय 13: क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ विवेक योग – शरीर और आत्मा का भेद
अध्याय 14: गुणत्रय विभाग योग – सत्व, रजस, तमस के प्रभाव
अध्याय 15: पुरुषोत्तम योग – परम पुरुष का ज्ञान
अध्याय 16: दैवासुर संपद विभाग योग – दिव्य और आसुरी गुण
अध्याय 17: श्रद्धा त्रिविधा योग – श्रद्धा के तीन प्रकार
अध्याय 18: मोक्ष संन्यास योग – अंतिम उपदेश और निष्कर्ष